CSE(M) EXAM 2012

CSM 2012

F-DTN-M-QTJB

POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS

Paper II

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Questions no. ***1*** *and* ***5*** *which are compulsory, and any* ***three*** *of the remaining questions selecting at least* ***one*** *question from each Section.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

IMPORTANT : Whenever a question is being attempted, all its parts/sub-parts must be attempted contiguously. This means that before moving on to the next question to be attempted, candidates must finish attempting all parts/sub-parts of the previous question attempted. This is to be strictly followed.

Pages left blank in the answer-book are to be clearly struck out in ink. Any answers that follow pages left blank may not be given credit.

ध्यान दें : *अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है ।*

SECTION A

1. Answer the following in about 150 words each : *12×5=60*

(a) "Examining political phenomena through a process of cross-global investigation has become the fundamental function of Comparative Politics." Discuss.

(b) How did the struggle for representation increase the level and quality of democracy in the industrial societies ?

(c) Do you agree that liberal international theories are essentially 'Eurocentric' and not necessarily imperialist ?

(d) Review the increasing role of Multi National Corporations in the policy making process of developing countries.

(e) Why is the 'polarity of power' thesis less relevant and meaningful in the present architecture of 'balance of power' ?

खण्ड क

1. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हो : *12×5=60*

(क) "अन्योन्य-वैश्विक अन्वेषण के प्रक्रम के माध्यम से राजनीतिक परिघटनाओं का परीक्षण करना तुलनात्मक राजनीति का मूल प्रकार्य बन चुका है ।" चर्चा कीजिए ।

(ख) प्रतिनिधित्व के लिए संघर्ष ने औद्योगिक समाजों में किस प्रकार लोकतंत्र के स्तर एवं गुणता में वृद्धि की थी ?

(ग) क्या आप सहमत हैं कि उदारवादी अंतर्राष्ट्रीय थियोरियाँ आवश्यक रूप से 'यूरोकेंद्रिक' हैं और यह आवश्यक नहीं है कि वे साम्राज्यवादी हों ?

(घ) विकासशील देशों के नीति निर्माण प्रक्रम में बहु-राष्ट्रीय निगमों की बढ़ती हुई भूमिका की समीक्षा कीजिए ।

(ङ) 'शक्ति-संतुलन' के वर्तमान परिरूप में क्या कारण है कि 'शक्ति की ध्रुवीयता' स्थापना कम प्रासंगिक और अर्थपूर्ण है ?

2. Answer the following in about 250 words each : *20×3=60*

(a) What are the great debates between 'classical' and 'modern' realists ? Is there any thin line of continuity between these two traditions ?

(b) Does the perspective of Dependency Theory offer a robust critique on the nature of mainstream development process taking place in Africa and Latin America ?

(c) Is 'terrorism' an essentially 'contested' concept ? What are the different manifestations of 'terrorism' as a concept, and as practice ?

3. Answer the following in about 200 words each : *15×4=60*

(a) What have been the main challenges to India's foreign policy in the last two decades ? Are these essentially 'concerns' with domestic politics or 'strategic' issues ?

(b) What constitutes 'national security discourses' ? How far have the IR Feminists questioned how 'security' has been problematised ?

(c) Evaluate the nature and distinction of anomic and associational interest groups in the pressure politics of developing countries.

(d) Elucidate the transdisciplinary nature of modern comparative politics and identify the contributions of political sociologists towards this goal.

2. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में हो : *20×3=60*

(क) 'क्लासिकी' और 'आधुनिक' यथार्थवादियों के बीच कौन-कौन से महान वाद-विवाद हैं ? क्या इन दो परंपराओं के बीच सातत्य की कोई महीन रेखा भी है ?

(ख) क्या पराश्रितता थियोरी का परिप्रेक्ष्य अफ्रीका और लातीनी अमरीका में घटित हो रहे मुख्यधारा विकास प्रक्रम की प्रकृति पर एक सशक्त प्रत्यालोचना प्रस्तुत करता है ?

(ग) क्या 'आतंकवाद' आवश्यक रूप से एक 'सविरोध' संकल्पना है ? एक संकल्पना के रूप में, और व्यवहार के रूप में, 'आतंकवाद' की क्या-क्या विभिन्न अभिव्यक्तियाँ हैं ?

3. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हो : *15×4=60*

(क) पिछले दो दशकों में भारत की विदेश नीति को क्या मुख्य चुनौतियाँ रही हैं ? क्या ये आवश्यक रूप से घरेलू राजनीति या 'रणनीतिक' मुद्दों के प्रति 'सरोकार' हैं ?

(ख) 'राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोक्तियों' के क्या-क्या घटक होते हैं ? आई.आर. नारी अधिकारवादियों ने किस सीमा तक इस बात पर प्रश्न उठाए हैं कि 'सुरक्षा' को किस प्रकार से समस्यापूर्ण बना दिया गया है ?

(ग) विकासशील देशों की दबाव की राजनीति में अप्रतिमानित (ऐनोमिक) और साहचर्यात्मक (असोसिएशनल) हित समूहों की प्रकृति और प्रभेद का मूल्यांकन कीजिए ।

(घ) आधुनिक तुलनात्मक राजनीति की पार-शास्त्रीय प्रकृति को सविस्तार स्पष्ट कीजिए और इस लक्ष्य को प्राप्त करने में राजनीतिक समाजशास्त्रियों के योगदानों की पहचान कीजिए ।

4. Answer the following in about 250 words each : *20×3=60*

(a) How far have the UN reform efforts of 2004 – 5, transformed the concept of 'Sovereignty' as a fundamental principle of International Law ? Do you think that UN reform discourse represents a 'biopolitical reprogramming' of contemporary sovereignty and global governance ?

(b) How would you explain the future of 'Nuclear Deterrence' ? Do you think that 'preventive war' is a good substitute for Nuclear Deterrence ?

(c) Examine the significance of ideological and policy aspects in the structural growth of modern political parties.

4. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में हो : *20×3=60*

(क) 2004 – 5 के सं.रा. के सुधार प्रयासों ने किस सीमा तक अंतर्राष्ट्रीय विधि के एक मूल सिद्धांत के रूप में 'प्रभुता' की संकल्पना को रूपांतरित कर दिया है ? क्या आपके विचार में सं.रा. सुधार प्रोक्ति समकालीन प्रभुता और वैश्विक शासन के 'जैव-राजनीतिक पुनर्प्रोग्रामन' को निरूपित करती है ?

(ख) आप 'परमाणु भयावरोध' के भविष्य को किस प्रकार स्पष्ट करेंगे ? क्या आपके विचार में 'निवारक युद्ध' परमाणु भयावरोध के लिए एक बढ़िया प्रतिस्थानिक है ?

(ग) आधुनिक राजनीतिक पार्टियों की संरचनात्मक संवृद्धि में सैद्धांतिक एवं नीतिगत पक्षों के महत्त्व का परीक्षण कीजिए ।

SECTION B

5. Answer the following in about 150 words each : *12×5=60*

(a) Illustrate the issue of illegal cross-border migration in South Asia and its impact on regional alliances and bilateral relations.

(b) "Human Rights constitute the Third Generation of Rights." Analyse the range and complex dimension of Human Rights in the globalised era.

(c) Is there any linkage between a shift in China's relations with Japan to a perceived shift in her relations with India ? Examine in the light of China's so-called 'anti-encirclement struggle'.

(d) Comment on the essential elements of India's foreign policy that are required to secure energy and security in the Indian Ocean region.

(e) Is it correct to conclude that the 'Arab Street' revolutions have radically altered the political power scenario of the West Asian countries ?

खण्ड ख

5. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हो : *12×5=60*

(क) दक्षिणी एशिया में अवैध सीमा-पार प्रवसन के मुद्दे को, और प्रादेशिक मैत्रियों और द्विपक्षीय संबंधों पर उसके प्रभाव को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

(ख) "मानव अधिकार, अधिकारों की तृतीय पीढ़ी में आते हैं ।" वैश्वीकृत काल में, मानव अधिकारों के परास और जटिल विस्तार का विश्लेषण कीजिए ।

(ग) चीन के जापान के साथ संबंधों में खिसकाव, और चीन के ही भारत के साथ संबंधों में महसूस होते हुए खिसकाव के बीच क्या कोई अनुबंधन है ? चीन के तथाकथित 'घेराबंदी-रोधी संघर्ष' के प्रकाश में इसका परीक्षण कीजिए ।

(घ) भारत की विदेश नीति के उन अत्यावश्यक तत्त्वों पर टिप्पणी कीजिए, जिनकी हिंद महासागर प्रदेश में ऊर्जा एवं सुरक्षा को सुरक्षित करने के लिए आवश्यकता है ।

(ङ) क्या यह निष्कर्ष निकालना सही होगा कि 'अरब स्ट्रीट' क्रांतियों ने पश्चिम एशियाई देशों में राजनीतिक शक्ति परिदृश्य को मूलभूत रूप से परिवर्तित कर दिया है ?

6. Answer the following in about 250 words each : *20×3=60*

(a) How would you describe the contemporary worlds beyond the languages of 'North/South' and 'Developed/Developing' ? Is the present transformation driven by domestic compulsions, or external overall crisis of the global economy ?

(b) Is power a zero-sum or variable game in international relations ? Can zero-sum game explain the mixture of conflict and cooperation of the present dynamics of international relations ?

(c) Assess the scope and importance of setting up the Public Diplomacy Division in the Ministry of External Affairs in strengthening India's Foreign Policy.

7. Answer the following in about 200 words each : *15×4=60*

(a) The effort in restricting illegal migration from Mexico to U.S.A. and Canada has been one major gain for the United States through NAFTA. Comment.

(b) Bring out linkages between environmental degradation and neo-corporatism in the globalised era.

(c) "Nations and States have become virtually synonymous." Elucidate.

(d) "Despite the potentialities, India's 'Look East Policy' requires a major course correction." Discuss.

6. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में हो : *20×3=60*

(क) आप समकालीन संसारों का 'उत्तर/दक्षिण' और 'विकसित/विकासशील' की भाषाओं से आगे निकाल कर किस प्रकार वर्णन करेंगे ? क्या वर्तमान रूपांतरण घरेलू मजबूरियों के, या वैश्विक अर्थव्यवस्था के बाह्य समग्र संकट के, द्वारा संचालित है ?

(ख) क्या शक्ति अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में एक शून्य-योग या परिवर्ती खेल है ? क्या शून्य-योग खेल अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की वर्तमान गतिकी के द्वंद्व और सहयोग के मिश्रण को समझा सकता है ?

(ग) भारत की विदेश नीति के प्रबलन में विदेश मंत्रालय में सार्वजनिक कूटनीति प्रभाग को स्थापित करने की गुंजाइश एवं महत्त्व का आकलन कीजिए ।

7. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में हो : *15×4=60*

(क) मैक्सिको से यू.एस.ए. और कनाडा को अवैध प्रवसन को प्रतिबंधित करने का प्रयास 'नाफ्टा' के माध्यम से यू.एस.ए. के लिए एक प्रमुख लाभ हुआ है । टिप्पणी कीजिए ।

(ख) वैश्वीकृत काल में, पर्यावरणीय निम्नीकरण और नव-कार्पोरेटवाद के बीच की सहलग्नताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ग) "राष्ट्र और राज्य कार्यतः समानार्थी हो गए हैं ।" सविस्तार स्पष्ट कीजिए ।

(घ) "संभाव्यताओं के होने के बावजूद, भारत की 'पूर्व की ओर देखो नीति' को बृहत मार्ग संशोधन की आवश्यकता है ।" चर्चा कीजिए ।

8. Answer the following in about 250 words each : *20×3=60*

(a) Do you think that Iran's 'victory' in the NAM on the nuclear issue has brought in a new debate on the relevance of the Non-Aligned Movement ?

(b) What are the political and environmental contexts of the Siachen Glacier conflict ? Comment on the possibility of environmental peace-keeping and collaborative arrangements being worked out with Pakistan on this aspect.

(c) Examine the idea of a 'balance' between 'security' and 'liberty' in modern international politics. Do you think that the liberal international order is more 'security-friendly' ?

8. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में हो : *20×3=60*

(क) क्या आपके विचार में, नाभिकीय मुद्दे पर 'नाम' में ईरान की 'विजय' ने गुट-निरपेक्ष आंदोलन की प्रासंगिकता पर एक नए वाद-विवाद को जन्म दे दिया है ?

(ख) सियाचिन ग्लेशियर द्वंद्व के राजनीतिक और पर्यावरणीय संदर्भ क्या हैं ? इस पक्ष पर पाकिस्तान के साथ सुलझाई जा रहीं पर्यावरणीय शांति-अनुरक्षी और सहयोगिक व्यवस्थाओं की संभाव्यता पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) आधुनिक अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में 'सुरक्षा' और 'स्वतंत्रता' के बीच 'संतुलन' के विचार का परीक्षण कीजिए । क्या आपके विचार में उदारवादी अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था अपेक्षाकृत अधिक 'सुरक्षा-हितैषी' है ?

F-DTN-M-QTJB

राजनीति विज्ञान तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

प्रश्न-पत्र II

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है ।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं । बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अंत में दिए गए हैं ।

महत्त्वपूर्ण : यह आवश्यक है कि जब भी किसी प्रश्न का उत्तर दे रहे हों, तब उस प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर साथ-साथ दें । इसका अर्थ यह है कि अगले प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आगे बढ़ने से पूर्व पिछले प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर समाप्त हो जाएँ । इस बात का कड़ाई से अनुसरण कीजिए ।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े हुए पृष्ठों को स्याही में स्पष्ट रूप से काट दें । खाली छूटे हुए पृष्ठों के बाद लिखे हुए उत्तरों के अंक न दिए जाएँ, ऐसा हो सकता है ।

Note : *English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.*